



## पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री का अपमान, प्रतिमा पर रखे जूते

**भोपाल।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का घोर अपमान किया गया है। राजधानी भोपाल में कुशाभाउ ठाकरे सभागार के पास लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर किसी ने जूते रख दिए। इसके बाद कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया। शनिवार शाम कांग्रेस नेता जमा हुए और जमकर विरोध किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिसने पाकिस्तान को धूल चटाई, जिसने जय जवान-जय किसान का नारा दिया, आज उनकी मूर्ति पर जूतों की माला पहनाई गई। मध्यप्रदेश में प्रशासन और सरकार सो रहे हैं। भोपाल में पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार की घटना पर कांग्रेस ने कड़ी निंदा की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा कि यह घोर निंदनीय है और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व पीएम की मूर्ति को दूध से नहलाया गया। कांग्रेस के प्रदेश सचिव अब्दुल नफीस, यूथ कांग्रेस



अध्यक्ष अंकित दुबे समेत अन्य नेताओं ने मौके पर पहुंचकर मूर्ति की सफाई की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही इस कुत्थ को शर्माना बताया और कहा कि कैसे कोई प्रतिमा पर जूते रख गया, यह शर्माना है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह दिल आहत करने वाली घटना है। उन्होंने कहा कि शास्त्रीजी किसी एक के नहीं, पूरे देश के हैं और उनका सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने मांग की कि सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग निकलवाकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। यह घटना कमिश्नर कार्यालय के सामने हुई, जो और भी शर्म की बात है।

## अमित शाह ने जारी किया भाजपा का 150 वादों वाला संकल्प पत्र

## बोले- घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालेंगे

झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, संजय सेठ, और झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी उपस्थित थे। इस संकल्प पत्र में राज्य के विकास, सुरक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे अहम मुद्दों पर जोर दिया गया है। भाजपा ने झारखंड की जनता को भरोसा दिलाया कि यदि वे सत्ता में आते हैं, तो राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे।



चाहिए। घुसपैठ कराकर झारखंड की अस्मिता रोटी, बेटी और माटी तीनों को खतरे में डालने वाली सरकार चाहिए या परिंदा भी पर न मार सके ऐसी सरहद की सुरक्षा करने वाली सरकार चाहिए।

**विकास पर भाजपा का फोकस** संकल्प पत्र के लॉन्च इवेंट में भाजपा झारखंड के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में झारखंड में विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने विपक्षी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झरू) पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी झरू ने सत्ता संभाली, उन्होंने राज्य के लिए कुछ नहीं किया और केवल अपने परिवार का विकास

किया। मरांडी ने दावा किया कि पिछले पांच साल में झरू ने झारखंड के साथ अन्याय किया और जनता अब हड़ सरकार बनाने का मन बना चुकी है। **सभी वर्गों का ध्यान रखा गया** भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने बताया कि इस बार के संकल्प पत्र में सभी वर्गों को ध्यान में रखा गया है। इसमें किसानों, महिलाओं, युवाओं, बुनियादी ढांचे और विकास से जुड़े सभी विषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी का फोकस झारखंड के हर वर्ग को मजबूत बनाने पर है। यह संकल्प पत्र जनता की जरूरतों और झारखंड के समग्र विकास को देखते हुए तैयार किया गया है।

**150 वादों के साथ भाजपा का संकल्प** असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पहले ही संकेत दिए थे कि भाजपा का यह संकल्प पत्र 150 वादों पर आधारित होगा। उन्होंने बताया कि इस संकल्प पत्र में जनता की भलाई के लिए कई बड़े निर्णय और योजनाएं शामिल हैं, जिनका उद्देश्य झारखंड के हर क्षेत्र में विकास करना है।

## अंधेरे में डूब गया पड़ोसी देश बांग्लादेश, अडानी पावर ने घटा दी बिजली सप्लाई



**नई दिल्ली।** भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में बिजली संकट खड़ा हो गया है। अडानी पावर झारखंड लिमिटेड ने 84.6 करोड़ डॉलर का बिल बकाया होने की वजह से बांग्लादेश को अपनी बिजली सप्लाई घटाकर आधी कर दी है। पावर कंपनी अडानी पावर के पूर्ण-स्वामित्व वाली सब्सिडियरी अडानी पावर झारखंड लिमिटेड ने गुरुवार रात से अपने पावर प्लांट से पावर सप्लाई कम कर दी है, इस तरह बांग्लादेश को अपनी कुल जरूरत से कम पावर सप्लाई मिल रही है। पावर ग्रिड बांग्लादेश पीएलसी के आंकड़ों से

पता चला है कि बांग्लादेश के कई शहर अंधेरे में डूब रहे हैं, क्योंकि करीब 1600 मेगावॉट बिजली शॉर्ट पड़ रही है। बांग्लादेश ने गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात में 1600 मेगावाट से ज्यादा बिजली की किल्लत की जानकारी दी थी। करीब 1496 मेगावाट क्षमता वाला अडानी पावर का प्लांट अब एक यूनिट से 700 मेगावॉट बिजली का ही उत्पादन कर रहा है। यही वजह है कि पड़ोसी देश बांग्लादेश जो पहले ही भयानक राजनीतिक संकट का शिकार हुआ था, अब नई परेशानी का सामना कर रहा है।

## इस बार 2 घंटे 12 मिनट तक रहेगा भाई दूज पर तिलक करने का शुभ मुहूर्त

नई दिल्ली। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। इस साल 3 नवंबर 2024 को भाई दूज का पर्व मनाया जा रहा है। कार्तिक मास द्वितीया तिथि का आरंभ 2 नवंबर 2024 को रात 8 बजकर 22 मिनट से हो गया है। इस तिथि का समापन 3 नवंबर को रात में 10 बजकर 6 मिनट पर है। पंचांग के अनुसार भाई दूज के दिन सुबह 11 बजकर 39 मिनट तक सोभाग्य योग रहेगा। इसके बाद शोभन योग शुरू हो जाएगा। इस दौरान अनुराधा नक्षत्र और बालव व कौत्व करण का संयोग रहेगा। इस साल भाई दूज पर तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त 3 नवंबर को दोपहर 1 बजकर 10 मिनट से दोपहर 3 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। मुहूर्त की कुल अवधि 2 घंटे 12 मिनट की है।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति... एमपी में स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी, सरकारी स्कूलों में होगी एग्रीकल्चर की पढ़ाई

मध्य प्रदेश में एग्रीकल्चर की पढ़ाई के इच्छुक छात्रों के लिए अच्छी खबर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत एमपी के सभी सरकारी स्कूलों में अगले सत्र से कृषि संकाय शुरू होगा। छात्र कला, विज्ञान और कामर्स की तरह कृषि की पढ़ाई भी कर सकेंगे। एमपी में अभी सिर्फ 18 सरकारी स्कूलों में कृषि संकाय संचालित है। अगले सत्र से 8 हजार स्कूलों में शुरू होगा।

**कृषि संकाय शुरू करने जरूरी** शर्तें स्कूल शिक्षा विभाग ने पाठ्यक्रम डिजाइन करने के निर्देश दिए हैं। शुरुआत में कृषि संकाय उन स्कूलों में शुरू होगा, जहां एक से डेढ़ बीघा जमीन है। जिन स्कूलों के पास कृषि भूमि नहीं है, वह आसपास के किसानों से अनुबंध कर बच्चों को खेती सिखाएंगे।

कृषि संकाय के लिए विद्यालय में कम से कम 70 स्टूडेंट्स अनिवार्य हैं। कृषि विषय पढ़ाने

अगल शिक्षकों की भरती की जाएगी। विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जाएगा।

**उद्यानिकी और पशुपालन की भी पढ़ाई** मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देशित किया है कि सरकारी स्कूलों में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, डेयरी, पशुपालन सहित अन्य विषयों की पढ़ाई शुरू की जाए। इसके लिए विद्यालय स्तर पर शिक्षाविद, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और विषय विशेषज्ञों की समिति गठित की जाएगी।

**रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम पर फोकस** स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ संजय गोयल ने बताया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया गया है। एग्रीकल्चर भी इसमें शामिल है। प्रदेश के सभी स्कूलों में कृषि संकाय शुरू किए जाने की तैयारी है। विद्यार्थी खेत में जाकर प्रैक्टिकल भी कराए जाएंगे।



अनंतनाग में कठवान के हलकान गली में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब संयुक्त बल जंगल क्षेत्र में तलाश अभियान चला रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलीयां चलाई जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में दो

आतंकवादी मारे गए हैं। यहां सुरक्षा बलों का अभियान अभी जारी है। इस बीच बांदीपोरा जिले में शुक्रवार रात हुई गोलीबारी के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान जारी है। बांदीपोरा के पनार इलाके में संधिध गतिविधियां देखी गईं। जब आतंकवादियों को ललकारा गया तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जंगल में भाग गए।

## संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा

**नई दिल्ली।** 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र में कई महत्वपूर्ण बिल पेश किए जा सकते हैं, जिनमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी इसी सत्र में पास किया जा सकता है। शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। दरअसल विपक्षी दल वन नेशन-वन इलेक्शन का विरोध कर रहे हैं और देश में एक साथ चुनाव के पक्ष में नहीं हैं। उधर सरकार इस बिल पर अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। इस बिल के विरोध में विपक्षी दल सदन में हंगामा कर सकते हैं। इस दौरान एक रात्र, एक चुनाव और ढाक्क (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा होने की उम्मीद है। गृहमंत्री



अमित शाह ने पहले ही कहा है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 शीतकालीन सत्र में पारित किया जाएगा। इस सत्र के दौरान अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। संसद का संयुक्त सत्र 26 नवंबर को संविधान की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया जा सकता है। इसके साथ ही, वक्फ विधेयक पर बनी जेपीसी अपनी

रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र में पेश कर सकती है। बता दें कि 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। इस दौरान कुल 12 विधेयक पेश किए गए थे जिनमें से 4 विधेयक पारित हुए थे। पारित होने वाले विधेयकों में वित्त विधेयक 2024, विनियोग विधेयक 2024, जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 और भारतीय विधेयक शामिल थे।

## विदेश मंत्री जयशंकर बोले

## भारत निभाना चाहता है विश्वामित्र की भूमिका, ज्यादा से ज्यादा देशों से दोस्ती करना लक्ष्य

नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की वैश्विक नीति को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। जयशंकर ने कहा कि भारत आज दुनिया में अपनी नई पहचान बना रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत सभी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत का उद्देश्य है कि वह खुद को विश्वमित्र के रूप में स्थापित करे। उन्होंने कहा कि भारत आज 'विश्वमित्र' के रूप में सभी देशों से मित्रता बनाना चाहता है। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य बहुध्रुवीय दुनिया में ज्यादा से ज्यादा देशों से दोस्ती करना है, जो एक बैलेंस्ड और कॉर्पोरेटिव ग्लोबल सिस्टम की नींव रखेगा।

**'विश्वमित्र' बनने की राह पर** भारत जयशंकर ने कहा कि कुछ

वैश्विक साझेदार दूसरे देशों से अधिक जटिल हो सकते हैं, क्योंकि वे हमेशा आपसी सम्मान और कूटनीतिक शिष्टाचार की संस्कृति साझा नहीं करते। उन्होंने बताया कि कुछ देश जिस स्वतंत्रता को स्वाभाविक मानते हैं, वह दूसरों के लिए हस्तक्षेप का कारण बन सकता है। इस प्रकार की संवेदनशीलता का विचार भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**घरेलू मुद्दों पर विदेशी टिप्पणियों का विरोध** जयशंकर ने कहा कि भारत के घरेलू मामलों पर कई बार विदेशी देशों की टिप्पणियां देखने को मिलती हैं, लेकिन अक्सर दूसरे पक्ष को वही सम्मान नहीं मिलता। उन्होंने कहा, जो एक के लिए स्वतंत्रता है, वह दूसरे के लिए बाहरी दखल बन सकता है।

**विश्वमित्र बनने की दिशा में भारत**



भारत का विश्वमित्र बनने का विचार केवल उसके कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा नहीं है। जयशंकर का कहना है कि यह विचार उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। भारत का दृष्टिकोण इस आधार पर है कि वह एक रूढ़िवादी सभ्यता नहीं है,

बल्कि एक वैश्विक मित्रता को स्वीकार करने वाली सभ्यता है। भारत के लिए यह दोस्ती का नजरिया उसके आत्मविश्वास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में उसकी भूमिका को भी बढ़ाता है। **पीएम मोदी के नेतृत्व में नई विदेश नीति** जयशंकर ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति में तीन बड़े बदलाव हुए हैं। इनमें पहला है ऋषि साझेदारी, जो अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत कर रही है। दूसरा, भारत और यूएई-इजराइल के साथ गहरे संबंध विकसित हुए हैं। यह सभी बदलाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के परिणाम हैं। **भारत-रूस और फ्रांस के साथ संबंधों में बदलाव** जयशंकर ने कहा कि रूस और फ्रांस जैसे देशों के साथ भारत के संबंधों में आए सुधार का श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दशकों में इन देशों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें बहुत कम हुई थीं। लेकिन अब, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह सब संभव हो सका है। यह भारत की वैश्विक स्थिति को और भी मजबूत बना रहा है।

# सबसे गर्म अक्टूबर का बना रिकॉर्ड, नवंबर में भी गर्मी से राहत नहीं

नई दिल्ली। क्या आपको भी इस अक्टूबर में गर्मी का अहसास होता रहा? अगर ऐसा हुआ है तो गलत नहीं है। असल में इस साल का अक्टूबर देश में सबसे गर्म अक्टूबर महीने के तौर पर दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक इससे पहले 1951 में ऐसा हुआ था जब अक्टूबर में इतनी गर्मी पड़ी थी। इस साल मध्य भारत यानी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से और छत्तीसगढ़ में तापमान सबसे ज्यादा रहा। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत, जिसमें दिल्ली एनसीआर शामिल है में 1901 के बाद यह दूसरा सबसे ज्यादा गर्म अक्टूबर महीना रहा। नवंबर में भी गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक नवंबर के पहले दो हफ्तों में देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर बना रहेगा।

हालांकि दूसरे हफ्ते में तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की जा सकती है। **इसलिए पड़ी इतनी गर्मी** इस साल अक्टूबर में इतनी गर्मी क्यों पड़ी इसके बारे में आईएमडी चीफ मृत्युंजय मोहपात्रा ने बताया है। उन्होंने इसके पीछे की वजहों में चार निम्न दबाव सिस्टम, समर मानसून का देरी से जाना और अक्टूबर में पश्चिमी विक्षोभ को बताया है। नवंबर को लेकर उन्होंने बताया कि अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा, जिसके चलते उत्तर-पूर्व, पूर्व मध्य और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में दिन गर्म रहेंगे। वहीं, पश्चिम मध्य भारत और उत्तर पश्चिम भारत को जोड़ने वाले इलाकों में दिन में सामान्य या सामान्य से नीचे तापमान रह सकता है। मौसम विभाग भी बताते की स्थिति में

नहीं देश में इस साल ठंड का मिजाज कैसा रहेगा, इस बारे में मौसम विभाग अभी भविष्यवाणी कर पाने की स्थिति में नहीं है। इसकी वजह है, अभी तक ला नीना बन नहीं पा रहा है। ला नीना बन जाने के बाद ही इस साल पड़ने वाली ठंड के बारे में ठीक अनुमान जताया जा सकता है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि सभी प्रमुख ग्लोबल मॉडल्स ने नवंबर-दिसंबर में ला नीना बनने के संकेत दिए थे। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो अब हमें फिर से लेटेस्ट ग्लोबल मॉडल्स का इंतजार करना होगा। तभी हम बता पाएंगे कि इस साल देश में कितनी और कब तक ठंड पड़ेगी। **आखिर ला नीना बना क्यों नहीं?** मौसम विभाग ने बताया कि नवंबर के आखिर में तापमान ठीक-ठाक ढंग से

नीचे जाने का अनुमान है। नवंबर और दिसंबर के महीने में ला नीना बनने का अनुमान है। अगर ऐसा होता है तो फिर दिसंबर से फरवरी के महीने में इस साल भयंकर सर्दी झेलनी पड़ सकती है। मौसम विभाग प्रमुख मृत्युंजय मोहपात्रा ने बताया कि ला नीना आमतौर पर ठंड के मौसम में उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत में तापमान में गिरावट से जुड़ा हुआ है। लेकिन अभी हम इस बारे में कुछ भी भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस बारे में शोध चल रहा है कि हालात अनुकूल होते हुए भी आखिर अभी तक ला नीना क्यों नहीं तैयार हुआ है। मृत्युंजय मोहपात्रा ने आगे कहा कि हमें यह भी देखना होगा कि आखिर सभी ग्लोबल मॉडल्स में क्या गलत हुआ?





## रविदासपुरा में पथराव करने वाले चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में



इंदौर। रविदासपुरा मोहल्ले में पटाखे फोड़ने की बात पर उपद्रव करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने 13 वर्षीय किशोरी को पटाखे फोड़ने से रोका था और उसके परिजनों के साथ मारपीट भी की थी। पुलिस ने रात को चार आरोपी सलमान, शानू, फैजल और नदीम के खिलाफ केस दर्ज किया था। शुक्रवार देर रात चारों को गिरफ्तार कर लिया गया था। उपद्रव के बाद चारों घर से गायब हो गए थे। उधर शुक्रवार को बस्ती में हुई अगजनी और पथराव की घटना के बाद स्थिति नियंत्रण में है। बस्ती में पुलिस बल तैनात है और रात में गलियों में पुलिस गश्त की और कुछ घरों की तलाश ली गई,ताकि छल पर एकत्र किए गए पत्थर जब्त कर सके। उपद्रव के फुटेज के

## पिता ही निकला बेटे के हत्यारा मोगरी सिर पर दे मारी

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट करता था बेटा

इंदौर। शहर के बिचौली मर्दाना क्षेत्र में में एक युवक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। घटना में पिता ही बेटे का हत्या निकला। अकसर शराब के लिए पैसे नहीं देने पर वह मारपीट करता था। इससे परेशान होकर पिता ने मोगरी सिर पर मार दी। अंदरूनी चोट लगने से बेटी की मौत हो गई। घटना वाले दिन युवक का शव उसके कमरे में मिला था और उसके सिर पर चोट के निशान थे। पुलिस को परिजनों ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते किसी ने उनके बेटे चेतन की हत्या कर दी। हत्या की सूचना के बाद पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि रात में किसी ने भी घर में किसी अंजान शख्स को चेतन के घर आते नहीं देखा। आस पड़ोसियों ने यह जरूर बताया कि बेटा चेतन आए दिन परिजनों से विवाद करता था। बुधवार रात को



भी उनसे पिता के साथ विवाद किया था। उसकी जोर-जोर से आवाजें आ रही थी। इस आधार पर पिता से सख्ती से अफसरों ने पूछताछ की तो पिता श्याम लाल ने कबूला की रात को बेटे चेतन ने शराब पीने के विवाद में परिजनों से मारपीट की थी। वह काफी नशे में था। मैने गुस्से में आकर मोगरी उसके सिर पर दे मारी। इससे उसके सिर में अंदरूनी चोट आई थी।

छह प्रकरण दर्ज थे चेतन पर चेतन का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। वह कोई काम-धंधा नहीं करता था और शराब के नशे के लिए परिजनों से ही पैसे मांगता था। उसकी हत्या के बाद पुलिस ने उसकी पुरानी रंजिश के बारे में भी पता किया, लेकिन घटनास्थल के हालतों को देखकर परिजनों पर ही शक हो रहा था और पिता ने ही बेटे की हत्या करना कबूल लिया।

महिला दोस्त के साथ ग़या था माता के दर्शन करने

## इंदौर के युवक से देवास में मारपीट

इंदौर। इंदौर से मुस्लिम महिला दोस्त के साथ देवास माता टेकरी से दर्शन कर लौट रहे युवक के साथ लड़की के भाई सहित अन्य लड़कों ने जमकर मारपीट की। उसे पहले शिप्रा ब्रिज के पास रोका। यहां मारपीट कर उसे नकाब पहनाकर देवास तरफ ले गए। मारपीट कर बाद में आरोपियों ने युवक को वापस शिप्रा ब्रिज पर छोड़ दिया। यहां से युवक घर इंदौर आया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। मामले में शिकायत पर देवास औद्योगिक थाना पुलिस ने 4 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हिंदू जागरण मंच जिला संयोजक राजकुमार टेटवाल ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम की है। हमें सूचना मिली थी कि 5 मुस्लिम युवक एक हिंदू लड़के को बेहरमी से मार रहे हैं। युवक विवेक लोधवाल अपनी मुस्लिम महिला मित्र के साथ माताजी के दर्शन करने के लिए देवास से वापस लौट रहा था। लौटते समय चार-पांच मुस्लिम युवकों ने उसे रोका और उसका आधार कार्ड मांगा। जब उसने बताया कि मैं हिंदू हूं और मेरी महिला मित्र मुस्लिम है तो उसे बेहरमी से मारना शुरू कर दिया। उसे देवास लेकर गए। यहां उसके साथ दो घंटे तक मारपीट की। युवती द्वारा युवक को बचाने की कोशिश की गई। मगर आरोपी



युवक को बेरहमी से मारते रहे। युवक किसी तरह से जान बचाकर वहां से भागा और परिजनों को सूचना दी। घरवालों ने हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं के माध्यम से देवास थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामले में पुलिस ने चार आरोपी साहिल, सेफअली, अरबाज, आसिफ के खिलाफ केस दर्ज किया है।

## पटाखे फोड़ने के विवाद में मारपीट, कई घायल

अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 16 केस दर्ज

इंदौर। दीपावली के मौके पर पटाखे जलाने को लेकर कई जगहों पर विवाद सामने आए हैं, जिससे शहर में कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न थानों में कई मामलों में शिकायतें दर्ज की हैं। जानकारी के अनुसार, करीब 12 थानों में पटाखे जलाने को लेकर झगड़े और मारपीट के 16 मामले दर्ज हुए हैं। इन विवादों के कारण कई लोग घायल भी हुए हैं और तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पहला मामला सदर बाजार थाना क्षेत्र के इमली बाजार का है, जहां किशन दूध डेयरी के सामने रहने वाले विवेक पुरोहित ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर के सामने कुछ लोग पटाखे फोड़ रहे थे। जब विवेक ने उन्हें पटाखे फोड़ने से मना किया, तो आरोपी अभिषेक गोड़ उर्फ गोंदिया ने उनके साथ मारपीट की और उनके घर के सामने तोड़फोड़ की। विवेक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अभिषेक के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र में झगड़े में बदली बहस सदर बाजार थाने में ही एक अन्य मामला अर्जुन सिंह नगर के वीरेंद्र गोदानिया का शिकायत पर दर्ज किया गया। वीरेंद्र ने बताया कि उनके पड़ोसी रोहित उर्फ बिट्टू, विकास राठौड़ और एक अन्य व्यक्ति घर के बाहर पटाखे फोड़ रहे थे। इस दौरान पटाखे जलाने को लेकर दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही

### चार मंजिला इमारत में आग, दस्तावेज और फर्नीचर हुए राख

राजवाड़ा की पीर गली में हादसा, फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में करना पड़ी मशकत

इंदौर। राजवाड़ा की पीर गली में शनिवार को एक बिल्डिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। संकरी गली होने की वजह से फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में मुश्किल आई,क्योंकि गली में पानी के बड़े टैंकर और दमकल आसानी से नहीं जा पा रही थी। गली में खड़े दो पहिया वाहनों को हटाने के बाद घटनास्थल तक पानी के टैंकर पहुंचे। जोशी क्रिएशन नाम की चार मंजिला बिल्डिंग में आग दोपहर तीन बजे लगी। इस बिल्डिंग में दफ्तर संचालित होते हैं। तीसरी मंजिल से लोगों ने धुआं उठते देखा तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की। 20 मिनट के बाद दमकलें मौके पर आ गई और तीसरी मंजिल पर लगी आग को काबू किया। देर तक उठता रहा धुआं आग लगने के बाद आस पड़ोस की बिल्डिंग के लोग भी घबरा गए थे,क्योंकि गली में सभी बिल्डिंगें जुड़कर बनाई गई है। दमकलों की पानी की बीछार से लपेटों पर तो काबू पा लिया गया, लेकिन धुआं देर तक उठता रहा। आग के कारण दफ्तर में रखे उपकरण, फर्नीचर व दस्तावेज जल गए। पानी के दो टैंकरों की मदद से आग पर पुरी तरह काबू पा लिया गया।



झगड़े में बदल गई। आरोप है कि इस झगड़े में वीरेंद्र पर हमला किया गया, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने वीरेंद्र की शिकायत पर रोहित, विकास और उनके साथी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बच्ची पर फेंका रॉकेट, आंख में लगा एरोड्रम पुलिस को भी सुविधा नगर इलाके से एक शिकायत मिली। शिकायतकर्ता राहुल बेनीवाल ने पुलिस को बताया कि जब वे अखंड नगर की एक गली से गुजर रहे थे, तो उन्होंने देखा कि दो लोग, जिनके नाम दिनेश और साहिल बोराडे हैं, लापरवाही से पटाखे फोड़ रहे थे। राहुल के अनुसार, दिनेश ने रॉकेट पटाखा जलाकर उनकी तरफ फेंक दिया, जिससे पटाखा उनकी भतीजी कृष्ण प्रिया की आंख में जा लगा और वह घायल हो गई। जब राहुल ने इसका विरोध किया तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए मौके से भाग निकले। इसके बाद राहुल ने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

युवती से पटाखे फोड़ने की बात पर विवाद,चचेरे भाई के साथ मारपीट तुकोगंज थाना क्षेत्र में

पटाखे फोड़ रही युवती के साथ कुछ लड़कों ने विवाद किया। बीच में उसका चचेरा भाई बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी।पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुजल शेजवार की शिकायत पर पुलिस ने राज मनोज सुरेश और अन्य साथियो पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुजल शेजवार की शिकायत पर पुलिस ने राज मनोज सुरेश और अन्य साथियो पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुजल शेजवार की शिकायत पर पुलिस ने राज मनोज सुरेश और अन्य साथियो पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुजल शेजवार की शिकायत पर पुलिस ने राज मनोज सुरेश और अन्य साथियो पर केस दर्ज किया है।

### हरी सब्जियों ने कीमतों में लगाया शतक

त्योहार का असर – 80 रुपए किलो से शुरू होकर 140 रुपए प्रति किलो तक पहुंचे दाम



और बढ़ोतरी हो सकती है। इंदौर के प्रमुख थोक व्यापारी सलीम चौधरी का कहना है कि हाल ही में हुई बारिश ने आसपास के क्षेत्रों में सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया है। अब जो सब्जियां मंडी में आ रही हैं, वे वसूला जा रहा है। दीपावली के अवकाश के बाद से थोक सब्जी मंडी में व्यापार शुरू तो हो चुका है, लेकिन खुदरा दुकानों पर इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। कुछ दिन और कम रहेगी सब्जियों की आवक कारोबारी इमरान राईन के अनुसार, अभी त्योहारी मौसम चल रहा है और शनिवार को गोवर्धन पूजा मनाए जाने के कारण अधिकतर किसान सब्जियां बेचने थोक मंडी में नहीं आएंगे। इस वजह से अगले कुछ दिनों तक सब्जियों की आवक कम रहने का अनुमान है। इसके चलते भाई दूज तक सब्जियों के दामों में

थोक मंडी में 60 से 80 रुपये किलो के दाम पर उपलब्ध हैं। वहीं, कच्चा और लौकी जैसी सब्जियां केवल 40 से 50 रुपये प्रति किलो बिक रही हैं। खेरची बाजार में इन्हें अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। इस कीमत वृद्धि का प्रमुख कारण खुदरा बाजार में लिया जा रहा मुनाफा है। थोक और खुदरा बाजार में कीमतों में बड़ा अंतर है, जो उपभोक्ताओं के लिए चुनौती बन रहा है। व्यापारी मानते हैं कि आगामी दिनों में ठंड बढ़ने के साथ नई फसल की आवक से ही राहत मिलेगी। कुल मिलाकर, इंदौर के लोग सब्जियों की बढ़ी हुई कीमतों के कारण प्रभावित हो रहे हैं। आसमान छूती इन कीमतों ने आम लोगों के बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। यदि आने वाले समय में सब्जियों की आवक में सुधार नहीं होता, तो कीमतें और भी बढ़ सकती हैं।

## कुंड में नहाने उतरे युवक की डूबने से मौत

## सिमरोल थाना क्षेत्र की घटना दोस्तों के साथ जियारत के लिए गया था रोसिया दरगाह

इंदौर। सिमरोल थाना क्षेत्र में चोरल के समीप कुंड में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ रोसिया दरगाह पर जियारत के लिए गया था। यहां दरगाह के पीछे एक कुंड हैं, जिसमें नहाने के लिए उतरने के बाद वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मृतक युवक का नाम रहमान पिता मेहमूद (30) है। वह दोस्तों के साथ सिमरोल थाना क्षेत्र कि रोसिया दरगाह पर जियारत के लिए गया था। दरगाह के पीछे ही पानी का एक कुंड है। रहमान

दोस्तों के साथ कुंड में नहाने के लिए पानी में उतरा और गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं पाए। बाद में रहमान का शव निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। रहमान एसी रिपेयरिंग का काम करता था। कुंड में एक महीने में डूबने की ये दूसरी घटना है। पहले भी इसी कुंड में इंदौर का एक युवक डूब चुका है। अकसर होते हैं हादसे, फिर भी नहीं रखते सावधानी इंदौर से 40 किलोमीटर दूर चोरल नदी के आसपास कई पिकनिक स्पॉट हैं।

इनमें पातालपानी, चोरल डेम, जाम गेट, मानपुर सीतला माता फॉल, बामनिया कुंड, चोरल नदी, तिंछा फाल, रोशिया बाबा की दरगाह है। गर्मी खत्म होते-होते यहां शनिवार और रविवार को काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। यहां कई जगह अकसर हादसे हो चुके हैं, इसके बाद भी युवा सावधानी नहीं रखते। खास है कि सिमरोल के जंगलों में कई ऐसे रास्ते हैं जो, नदी के आसपास जंगलों, खाई और सुनसान इलाकों में जाते हैं। नौजवान यहां एकांत में समय बिताने के लिए चले जाते हैं और कई बड़े हादसे होते हैं।





## 9 नवंबर तक चलेगी कमलापति-रीवा स्पेशल ट्रेनें छठ तक पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का जारी रहेगा संचालन

**भोपाल।** दीपावली और छठ पर भोपाल मंडल से यात्रियों की सुविधा को देखते हुए कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। रीवा-रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति की संचालन 9 नवंबर तक जारी रहेगा। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे में 7,296 विशेष गाड़ियां चलाई जा रही हैं।यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने इस त्यौहारी सीजन में विशेष प्रबंध किए हैं। ट्रेनों में प्रवेश की व्यवस्था देखने भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान तैनात किए हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर भी त्यौहारों के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु स्पेशल ट्रेन चल रही है। इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच है। जिसमें रीवा-रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति, जबलपुर-दानापुर-जबलपुर, कोटा-दानापुर-कोटा एवं कटनी साउथ-चोपन-कटनी साउथ सहित पाँच स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है।

**रीवा-रानी कमलापति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन** गाड़ी संख्या 02190 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 09 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12:30 बजे रीवा से प्रस्थान कर और उसी दिन रात्रि 21:15 बजे रानी कमलापति पहुंच रही है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02189 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 9



नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार को रात्रि 22:15 बजे रानी कमलापति से रवाना होकर और अगले दिन सुबह 07:20 बजे रीवा पहुंच रही है। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना एवं विदिशा पर ठहराव देकर गंतव्य को जा रही है।

**रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन** गाड़ी संख्या 01661 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 12 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को दोपहर 14:25 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर पहुंच रही है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01662 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 13 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को सुबह 11:45 बजे दानापुर से रवाना हो कर और अगले दिन सुबह 07:40 बजे रानी कमलापति पहुंच रही है। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड,

कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा पर ठहराव देकर गंतव्य को जा रही है।

**जबलपुर-दानापुर-जबलपुर स्पेशल ट्रेन** गाड़ी संख्या 01705 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 15 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को रात 19:35 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर पहुंच रही है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01706 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 16 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक गुरुवार एवं शनिवार को सुबहर 11:45 बजे दानापुर से रवाना हो कर और अगले दिन मध्य रात्रि 00:10 बजे जबलपुर पहुंच रही है। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा पर ठहराव देकर गंतव्य को जा रही है।

**कोटा-दानापुर-कोटा स्पेशल**

**ट्रेन** गाड़ी संख्या 09803 कोटा-दानापुर स्पेशल ट्रेन आगामी 10 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को कोटा से रात 21:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात में 20:00 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09804 दानापुर-कोटा स्पेशल ट्रेन आगामी 11 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को दानापुर से रात 21:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात में 22:25 बजे कोटा पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में बारां, सालपुरा, छाबड़ा गुगौर, रुठियाई, गुना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

**कटनी साउथ-चोपन-कटनी साउथ स्पेशल ट्रेन** गाड़ी संख्या 09015 कटनी साउथ-चोपन स्पेशल प्रतिदिन आगामी 15 नंबर 2024 तक कटनी साउथ से प्रातः 05:00 बजे रवाना होकर, दोपहर 13:50 बजे चोपन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09016 चोपन-कटनी साउथ स्पेशल प्रतिदिन आगामी 15 नंबर 2024 तक चोपन से दोपहर 15:30 बजे रवाना होकर, अगले दिन मध्यरात्रि 00:40 बजे कटनी साउथ पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में खन्नाबंजारी, महरोई, विजसोता, ब्यूहारी, जोबा, मड़वासग्राम, निवासरोड, सराईग्राम, गजराबहरा, बरगावां, सिंगरौली एवं ओबरा डैम स्टेशनों पर रुकेगी।

## 5 महीने से थमे हैं 149 बसों के पहिए रोज 50 हजार यात्री हो रहे परेशान

तीन बार निविदा जारी करने के बावजूद किसी भी एजेंसी ने नहीं ली रुचि

**भोपाल।** शहर के भीतर दस रूटों पर चलने वाली 149 सिटी बसों के पहिए पिछले पांच महीने से थमे हुए हैं। इसके चलते रोजाना पचास हजार से अधिक बस यात्री लंबे समय से परेशान हो रहे हैं। बसें नहीं चलने से जहां यात्रियों को भटकना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर बसों के चालक और परिचालक बेरोजगार हो गए हैं। जिनके सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा है। दीपावली के इस त्योहार में उक्त बस के चालक और परिचालकों के चेहरों पर उदासी छाई हुई है। वहीं जिन दस रूटों में यह बसें चलती थी, उन रूट के यात्रियों हर दिन मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) बसों के संचालन के लिए तीन बार निविदा जारी की, लेकिन अब तक किसी भी एजेंसी ने निविदा में टेंडर नहीं डाला। यह देखकर कठना गलत नहीं होगा कि बागसेवनिया डिपो में खड़ी बसों के चलने की कोई उम्मीद



फिलहाल तो नजर नहीं आ रही। इन दस रूटों नहीं चल रही बसें रूट क्रमांक 115, 113, 116, 205, 204, 208, एसआर-8, टीआर-1, 311 और 106 रूट पर चलने वाली बसें पिछले दस महीने से नहीं चल रही हैं। इसके चलते गांधी नगर, एयरपोर्ट, मिसरोद, लालघाटी, कोकता, मंडीदीप, भौंरी, अयोध्या नगर, करोंद, बैरागढ़ समेत कई जगहों के यात्रियों को हर दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

**यूनियन का संचालन का जिम्मा देने की मांग** भोपाल सिटी यान

चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष अजीज खान ने बताया कि डेढ़ सौ चालक डेढ़ सौ परिचालक भुखमरी का शिकार है। इतना बड़ा शहर है किसी को इन 149 बसों की याद नहीं आ रही है। निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को भी जापान दे चुके हैं। शहर में जब कोई टेंडर नहीं ले रहा है तो यूनियन के हवाले कर देना उचित होगा। चालक, परिचालक की हालत खराब है वे बेरोजगार बैठे हैं, कच्चा की शिक्षा बाधित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

## डेंगू से युवक की मौत, स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप

निजी अस्पताल में भर्ती था मरीज, राजधानी में दहशत

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में मानसून की विदाई के बाद मच्छर जनित बीमारियों में पैर पसारना शुरू कर दिया है। राजधानी के एक निजी अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई है। मरीज की रैपिड टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मरीज की प्लेटलेट्स काउंट 8000 तक पहुंच गई थी। परिवार वालों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। इधर स्वास्थ्य विभाग मामले को धुपाने में लग गया है। रैपिड टेस्ट को मानने को तैयार नहीं है, जबकि निजी अस्पताल का दावा है कि मरीज को डेंगू ही था। शहर के एक निजी अस्पताल में बुधवार को 28 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन इसे डेंगू से मौत बता रहा है, हालांकि स्वास्थ्य विभाग एलाइजा रिपोर्ट के आधार पर डेंगू से हुई मौत नहीं मान रहा है। निजी अस्पताल के दावे को मानें तो यह डेंगू से शहर की पहली मौत है। मृतक आशीष बोरकर के मामा शरद के अनुसार आशीष 28 अक्टूबर को खुद चलकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा था। उसे बुखार आ रहा था। यहां जांच में प्लेटलेट्स काउंट बेहद कम आने पर उन्हें भर्ती कर लिया गया। इलाज के दौरान ही मरीज की प्लेटलेट्स 8 हजार तक पहुंच गई। परिवार वालों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन से कई बार



विशेषज्ञों को बुलाकर इलाज कराने की गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मरीज को रात करीब तीन बजे अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद पहले वार्ड में ही स्ट्राफ ने सीपीआर दिया। इसके बाद आईसीयू में ले गए। कई बार पूछे जाने पर भी क्या इलाज चल रहा है, यह नहीं बताया गया। 30 अक्टूबर को सुबह नौ बजे सूचना मिली कि आशीष की डेंगू के चलते हुए मल्टी आर्गन (किडनी व लिवर) फेलियर से मौत हो गई।

**अस्पताल में 25 मरीज भर्ती हैं, 12 मरीज गंभीर** मामले में अस्पताल के संचालक डॉ. अनूप हजेला का कहना है कि मरीज की रैपिट टेस्ट रिपोर्ट में डेंगू पॉजिटिव आया था। इसके बाद मरीज का इलाज एमडी मेडिसिन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट समेत चार डाक्टरों की टीम द्वारा किया गया। प्लेटलेट्स आठ हजार तक पहुंच गई थी, जिसके कारण मल्टी

आर्गन (किडनी, लिवर और हार्ट) फेलियर हुआ। मरीज क्रिटिकल था, स्वजन ने पहले मरीज को बंसल और बीएमएचआरसी में शिफ्ट करने की बात कही थी, जिसे बाद में खुद से ही कैसिल कर दिया। यह सभी लिखित में दर्ज हैं। वर्तमान में यहां डेंगू के 25 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 12 गंभीर हैं। इनकी प्लेटलेट्स 25 हजार से नीचे हैं। सबका इलाज चल रह है। डा. हजेला ने बताया कि डेंगू के अलग से विशेषज्ञ नहीं होते। ऐसे मरीजों का कई डॉक्टर मिलकर इलाज करते हैं। इसके लिए अस्पताल में एक स्पेशल टीम है।

**रिपोर्ट आने तक डेंगू पॉजिटिव नहीं** भोपाल सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी का कहना है कि जब तक एलाइजा रिपोर्ट नहीं आती, तब तक डेंगू पॉजिटिव नहीं माना जा सकता है। मरीज की एलाइजा रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिस रिपोर्ट में एनएस-1 रिएक्टिव आया, उसके आधार पर डेंगू पॉजिटिव माना जा रहा है।

## जन-कल्याण में राज्यों की सीमाएं बाधक नहीं सीएम बोले- पीएम के संकल्प को पूरा करने में कसर नहीं छोड़ेंगे

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम नागरिकों के कल्याण में राज्यों की सीमाएं बाधा नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी यही संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। अंतरराज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना भारत की प्रथम नदी जोड़ो परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवींद्र साभागार में मध्य प्रदेश के 69 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान के मध्य 20 वर्ष से पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना की स्वीकृति के लंबित मामलों में अब स्वीकृति हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा दी गई इन मंजूरीयों से प्रदेश के बड़े अंचल में विकास की गति तीव्र हो जाएगी। केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड में सिंचाई और पानी की सुविधा व्यापक स्तर



पर नागरिकों और किसानों को मिलेगी। यह परियोजना एक इतिहास रचने का कार्य करेगी। 1956 से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थाना वर्ष 1956 से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय हुई है। इस वर्ष राज्योत्सव और दीपोत्सव एक साथ आए हैं। प्रदेश में चार दिन का स्थापना दिवस समारोह और पांच दिन का दीपोत्सव हो रहा है। मध्य प्रदेश इस मामले में सौभाग्यशाली है कि यहां मयादां पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में सर्वाधिक समय व्यतीत किया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी मध्य प्रदेश की धरती पर उज्जैन आकर शिक्षा ग्रहण की। मध्य प्रदेश सरकार विकास के मामले में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

**प्रत्येक जिले में होगा मेडिकल कॉलेज होगा** मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2005 तक 5 मेडिकल कॉलेज ही थे, जिनकी संख्या वर्तमान में 20 हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में प्रदेश में तीन नए मेडिकल कॉलेज लोकार्पित किए हैं। आने वाले दो वर्ष में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 28 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल पर भी कार्य हो रहा है, जिससे प्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज होंगे। आने वाले समय में प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज होगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित नागरिकों को मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस और दीपोत्सव की बधाई दी और पार्श्व गायक अंकित तिवारी, मुंबई के निर्देशन में हो रहे गीत संगीत कार्यक्रम का आनंद लेने का आह्वाण किया। गायिका सुश्री सुहासिनी जोशी ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश पर केंद्रित फिल्म का रिमोट से बटन दबाकर शुभारंभ किया।

## गोसेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है सरकार गोशाला में गाय के आहार के लिए अनुदान बढ़ाकर किया दोगुना

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आज रवींद्र भवन में गोवर्धन पूजा का राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गोवर्धन पर्व के सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व पर केन्द्रित इस आयोजन में गोसंस्कृति, परिवेश के प्रदर्शन और स्वास्थ्य आधारित लाभों पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से पंचगव्य उत्पाद, गोशिल्प उत्पाद, कृषि आधारित उत्पाद और दैनिक उपयोग के उत्पाद के आर्थिक महत्व को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिलों की किसी एक प्रमुख गोशाला में भी कार्यक्रम होगा। गोवर्धन पूजा, गोमय और पंचगव्य उत्पादों पर संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता और बच्चों के कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के सम्मान का उत्सव है। धरा पर गाय और गंगा ही हैं, जो ईश्वर को अत्यंत प्रिय हैं। इनके बिना भारतवर्ष की कल्पना ही नहीं की जा सकती। गाय और गंगा, भारत की संस्कृति एवं सभ्यता की आत्मा है... ये पालनहार हैं और तारणहार भी। वेद, पुराण, उपनिषद, स्मृति-ग्रंथों, रामायण, महाभारत और वाग्मय में गौ-महिमा का वर्णन



है। गाय को सुरभि, कामधेनु, अर्चया, यज्ञपदी, कल्याणी, इज्या, बहुला, कामदुघा, विश्व की आयु, रुद्रों की माता और वसुओं की पुत्री के रूप में सुशोभित किया गया है।

**वेदों में वर्णित है गाय की महत्ता** उन्होंने कहा कि सर्वदेवमयी गाय को वेदों में अघ्न्या (अवध्या) बतलाया है... त्रेता युग में मयादां पुरुषोत्तम श्रीराम ने वनगमन के पूर्व गोदान किया था। द्वारप युग में श्रीकृष्ण ने बाल्यावस्था में गायों संग व्यतीत कर भारतवर्ष को गाय की महत्ता का संदेश दिया है।

स्कन्दपुराण में त्रिवेद ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के द्वारा कामधेनु की स्तुति की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईश्वर द्वारा वंदनीय गोमाता का संरक्षण एवं संवर्धन केवल कर्तव्य ही नहीं, धर्म भी है। मध्यप्रदेश सरकार भी गोसेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने प्रत्येक गांव में गोशाला प्रारंभ करने का अभियान शुरू किया है। सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गोशाला में गाय के आहार के लिए निर्धारित अनुदान को भी बढ़ाकर दोगुना कर दिया है।

## सदस्यता पर निर्णय के लिए विधानसभा अध्यक्ष से बात करेगी पार्टी निर्मला सप्रे की सदस्यता को लेकर कांग्रेस ने फिर ली आपत्ति

**भोपाल।** सागर जिले के बीना विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर निर्णय करने के लिए कांग्रेस विधायक दल विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से बात करेगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनकी सदस्यता समाप्त करने के लिए प्रमाण सहित आवेदन दिया है लेकिन उस पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है। उधर, सप्रे लगातार भाजपा की बैठकों में भाग ले रही हैं।वर्ष 2023 में कांग्रेस के टिकट पर निर्मला सप्रे बीना विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। लोकसभा चुनाव के समय वे भाजपा के संपर्क में आईं और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंच भी साझा किया। उन्होंने क्षेत्र के विकास का हवाला देते हुए पार्टी प्रत्याशी के स्थान पर भाजपा के लिए काम किया। भाजपा में शामिल होने की बात भी कही। इसे लेकर कांग्रेस ने उनसे दूरी बना ली। विधायक दल की बैठक में नहीं बुलाया और सदन में अपने साथ नहीं बैठाने का निर्णय लेकर विधानसभा सचिवालय को सूचित भी कर दिया था। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनकी और रामनिवास रावत के विरुद्ध दलबदल कानून के अंतर्गत



कार्रवाई करते हुए सदस्यता समाप्त करने का आवेदन दिया। इस पर कार्रवाई से पूर्व रावत ने विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया, परंतु सप्रे ने ऐसा नहीं किया। विधानसभा सचिवालय ने उन्हें नोटिस जारी कर दलीय स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा। इस पर पहले तो उन्होंने जवाब देने का समय मांग लिया और फिर दूसरे नोटिस के जवाब में आरोपों को नकारते हुए कहा कि उन्होंने दलबदल नहीं किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष को निर्णय लेना

है, जो अभी तक नहीं हुआ है।

**भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में नजर आई थी सप्रे** उधर, सप्रे पिछले सप्ताह प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लेने पहुंचीं। मीडिया ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा, पर वे दाल गईं। अब कांग्रेस विधायक दल सप्रे की पार्टी विरोधी गतिविधियों के प्रमाण सबके सामने होने को आधार बनाकर दलबदल संबंधी आवेदन पर शीघ्र निर्णय करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से मिलेगा।



## जिम्मेदारी का करें अहसास हमारी जागरूकता से थमेगा प्रदूषण संकट

हम भूल जाते हैं कि इस संकट को बढ़ाने में राजनीति की बड़ी भूमिका है। किसानों के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर श्रेय लेने वाले राजनेताओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। दरअसल, बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले राजनेता तब कहाँ चले जाते हैं जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? सही मायनों में जहां पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं, वहां क्षेत्र के विधायकों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे क्षेत्र के किसानों को जागरूक क्यों नहीं कर पाते। क्यों वे पराली के निस्तारण के वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध कराने में किसानों का सहयोग नहीं करते? विडंबना यही है कि वे वोट की राजनीति के प्रलोभन में पराली जलाने के खिलाफ आवाज उठाने में चुप्पी साध लेते हैं।

पहले से ही उम्मीद थी कि दीपावली के बाद प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होगी, वैसा हुआ भी। पहले से ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का संकट बढ़ा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट की तलख टिप्पणियां बार-बार हमारा ध्यान खींचती रही। पिछले दिनों खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्याह हरियाणा के हैं। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिये जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल, इस मौसम में हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा-दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव नहीं है। यह स्थिति तभी बदलेगी जब लोगों की तरफ से भी ईमानदार पहल होगी। अब चाहे बात राष्ट्रीय सरोकारों की हो, पानी संकट की हो या फिर प्रदूषण की हो। जब नागरिकों को अहसास होगा कि बिना पटाखे छुड़ाए भी खुशी मनायी जा सकती है तो हम समाज के लोगों, जीव-जंतुओं व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकेंगे। बात तब बनेगी जब हम बच्चों के पाठ्यक्रम में यह बात शामिल करेंगे कि उनके भविष्य के लिये पर्यावरण, पानी व हवा की रक्षा कितनी जरूरी है। बच्चों को अहसास कराएं कि जिस तरह से बड़े लोग पानी का दुरुपयोग कर रहे हैं, उससे उतरे भविष्य के लिये पानी का संकट गहरा हो जाएगा। इसके लिये टीवी, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाये जा सकते हैं। इस अभियान में सूचना माध्यमों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

दरअसल, ग्रीन ट्रिब्यूनल या अन्य प्रदूषण नियंत्रक संस्थाएं अकसर राज्यों के सचिवों व अधिकारियों को दौंड़ित करने की बात करती हैं, लेकिन इससे समस्या का समाधान संभव नहीं है। दरअसल, जब तक नागरिकों व किसानों को जागरूक -जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक स्थिति में बदलाव संभव नहीं है। हम भूल जाते हैं कि इस संकट को बढ़ाने में राजनीति की बड़ी भूमिका है। किसानों के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर श्रेय लेने वाले राजनेताओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। दरअसल, बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले राजनेता तब कहाँ चले जाते हैं जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? सही मायनों में जहां पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं, वहां क्षेत्र के विधायकों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे क्षेत्र के किसानों को जागरूक क्यों नहीं कर पाते। क्यों वे पराली के निस्तारण के वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध कराने में किसानों का सहयोग नहीं करते? विडंबना यही है कि वे वोट की राजनीति के प्रलोभन में पराली जलाने के खिलाफ आवाज उठाने में चुप्पी साध लेते हैं। उनके खिलाफ भी तो लापरवाही के मामले दर्ज होने चाहिए। वहीं यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है। हमारी उपभोक्ता संस्कृति, वाहनों का अंबार, सार्वजनिक यातायात सुविधा का पर्याप्त न होना, अनियोजित निर्माण कार्य, जीवाश्म ईंधन का प्रयोग तथा कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण न होना भी प्रदूषण संकट के मूल में है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाने, शैक्षिक पाठ्यक्रम में प्रदूषण-पर्यावरण के मुद्दे शामिल करने तथा तंत्र की जवाबदेही तय करना प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम ऐसा करें तो साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण संकट पर किसी तरह लगाम लगाने में हम कामयाब हो सकते हैं। साथ ही हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली लाखों मौतों को हम रोक पाने में कामयाब हो सकते हैं। शासन को भी आग लगने पर कुओं खोदने की मानसिकता से बचना होगा और दूरगामी प्रभावों वाली नीतियां लागू करनी होंगी।

## विलुप्त हो रहे गोडावण का संरक्षण केवल सरकार नहीं, सबकी जिम्मेदारी

प्रकृति प्रेमियों के लिए यह खबर खुश कर देने वाली है। जैसलमेर के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में कृत्रिम गभार्धान यानी आर्टिफिशल इनसेमिनेशन (एआई) से विलुप्त हो रहे गोडावण का चूजा को पैदा किया गया है। भारत दुनिया का आठवा देश है, जिसने इस तकनीक का इस्तेमाल किया है। गोडावण राजस्थान का राज्य पक्षी भी है और वन विभाग के अनुसार अब केवल यह 173 ही बचे हैं। भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम- 1972 के तहत गोडावण संरक्षित श्रेणी में आता है। वर्ष 1981 में राजस्थान ने इसे राज्य पक्षी घोषित किया, लेकिन इसके संरक्षण के प्रयासों को लेकर जून, 2013 में तब गति मिली, जब राजस्थान सरकार ने प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड शुरू किया। हालांकि, वर्ष 2018 के बाद गोडावण की गिनती नहीं की गई है। वन की गणना के अनुसार 125 गोडावण डेजर्ट पार्क और 29 ब्रीडिंग सेंटर में थे, जबकि पांच दशक पहले इनकी संख्या 1500 के करीब थी। वर्ष 2019 में 63 गोडावण अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गए थे, जहां 49 का शिकार कर लिया गया। दरअसल, राजस्थान से इनके पलायन का मुख्य कारण ईसानी हस्तक्षेप, अवैध खेती और ऊर्जा कंपनियों की हाईटेंशन लाइनों को माना जाता है। वर्ष 2020 में गुजरात के गांधीनगर में प्रवासी पक्षियों पर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत-पाकिस्तान ने एक समझौता किया था, जिसमें गोडावण का अंतरराष्ट्रीय संरक्षण की बात कही गई। इसी समझौते के बाद पाकिस्तान में गोडावण के शिकार पर पाबंदी लगाने पर जोर दिया जाने लगा।

**कृत्रिम गभार्धान से बढ़ेगी पक्षियों की संख्या** अब गोडावण को कृत्रिम गभार्धान से पैदा कर एक ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ाया गया है।

मध्यप्रदेश जितना विस्तृत है, उतना ही ऐतिहासिक भी है। चंद्रशेखर आजाद के शौर्य, रानी दुर्गावती के बलिदान, टंट्या मामा की शहादत, छत्रसाल बुंदेला के पराक्रम, देवी अहिल्या के सुशासन को मध्यप्रदेश की विरासत के रूप में रेखांकित किया जाता है। संगीत सम्राट तानसेन तथा उस्ताद अलाउद्दीन खां तो संगीत के क्षेत्र की अनमोल धरोहर हैं। न जाजें कितने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कुबानी प्रदेश के कोने-कोने में आज भी जीवंत है। नर्मदा, सोन, चंबल, बेतवा, केन, तामी, पेंच, पार्वती, बेनगंगा, रेवा तथा माही आदि नदियों के उद्गम स्थल यहीं पर हैं। ये नदियां प्रदेश की चारों दिशाओं में प्रवाहित होती हैं। नर्मदा को तो मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है। प्रदेश के एक तिहाई भूभाग के निवासियों को नर्मदा आर्थिक रूप से संपन्न बनाती है। नर्मदा नदी पर निर्मित सरदार सरोवर, इंदिरासागर और ऑंकारेश्वर परियोजनाओं से प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के द्वार खुल गये हैं।

गत 1 नवंबर को हमने मध्यप्रदेश का 69वां स्थापना दिवस मनाया। भारत का हृदय कहा जाने वाला मध्यप्रदेश इस दिन 1956 को अस्तित्व में आया, जिसका गठन तत्कालीन मध्यभारत, विन्ध्य प्रदेश, भोपाल रियासत तथा महाकौशल के कुछ हिस्से को एकीकृत कर किया गया था। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर तथा झीलों की नगरी कहे जाने वाले भोपाल को प्रदेश की राजधानी बनाया गया। 44 वर्षों के बाद प्रदेश का विभाजन हुआ और जनता की मांग पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा नए राज्य छत्तीसगढ़ का गठन किया गया। अतीत पर नजर डाली जाए तो मध्यप्रदेश ने अपने गठन और विभाजन के दौर में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं लेकिन अब यह राज्य प्रगति के नये सोपान नाप रहा है। डबल इंजन की सरकार इस राज्य की तस्वीर और तकदीर बदलने की दिशा में शिदत से लगी हुई है। प्रदेश की जनता की खुशहाली और समरस विकास के लिए तमाम जनहितैषी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो इस बात की गवाह हैं कि मध्यप्रदेश आने वाले दिनों में सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहेगा। इस विकासोन्मुखी अभियान



में जहां एक ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुस्पष्ट व दूरगामी सोच है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रदेशवासियों की सेवा करने की प्रतिबद्धता है। मध्यप्रदेश के इतिहास, भूगोल और संस्कृति पर दृष्टिपात करें तो यह राज्य अनेक विविधताओं को अपने में समेटे हुए है। प्रचुर वन संपदा, अथाह जलराशि वाली नदियां, विपुल खनिज भंडार, खूबसूरत पर्यटन स्थल, पुरातात्विक धरोहर आदि सब कुछ तो उपलब्ध है इस प्रदेश में। नर्मदा घाटी में मिले साक्ष्यों से स्पष्ट है कि इस अंचल में अनेक सभ्यताएं पुष्पित एवं पल्वित हुई हैं। धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल का विश्व प्रसिद्ध मंदिर है तो ओरछा में राम राजा विराजमान हैं। चित्रकूट की महिमा तो अवर्णनीय हैं। यहीं गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान श्री राम के दर्शन किए थे। क्षिप्रा के तट पर संदीपनी आश्रम में श्रीकृष्ण और उनके सखा सुदामा ने शिक्षा प्राप्त की थी। राजा विक्रमादित्य, महाकवि कालिदास, राजा भोज एवं संत सिंगाजी की जन्मभूमि तथा कर्मभूमि होने का सौभाग्य मध्यप्रदेश को ही प्राप्त है। सांची में विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप हैं तो सोनागिरी में प्रसिद्ध जैन मंदिर। खजुराहो में तो पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश जितना विस्तृत है, उतना ही ऐतिहासिक भी है। चंद्रशेखर आजाद के शौर्य, रानी

दुर्गावती के बलिदान, टाट्या मामा की शहादत, छत्रसाल बुंदेला के पराक्रम, देवी अहिल्या के सुशासन को मध्यप्रदेश की विरासत के रूप में रेखांकित किया जाता है। संगीत सम्राट तानसेन तथा उस्ताद अलाउद्दीन खां तो संगीत के क्षेत्र की अनमोल धरोहर हैं। न जाजें कितने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कुबानी प्रदेश के कोने-कोने में आज भी जीवंत है। नर्मदा, सोन, चंबल, बेतवा, केन, तामी, पेंच, पार्वती, बेनगंगा, रेवा तथा माही आदि नदियों के उद्गम स्थल यहीं पर हैं। ये नदियां प्रदेश की चारों दिशाओं में प्रवाहित होती हैं। नर्मदा को तो मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है। प्रदेश के एक तिहाई भूभाग के निवासियों को नर्मदा आर्थिक रूप से संपन्न बनाती है। नर्मदा नदी पर निर्मित सरदार सरोवर, इंदिरासागर और ऑंकारेश्वर परियोजनाओं से प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के द्वार खुल गये हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार के शासन काल में नर्मदा को क्षिप्रा से जोड़ा जा चुका है। केन को बेतवा से जोड़ने की पहल जारी है। केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सबसे आगे मध्यप्रदेश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देशन में म.प्र. तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में म.प्र. देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क

योजना, पीएम आवास योजना, कृषि अवसरंचना निधि, प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, पीएम स्वामित्व योजना, नशामुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्वच्छ भारत मिशन आदि योजनाओं के क्रियान्वयन में म.प्र. देश में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश में 8 लाख 20 हजार 575 आवास बनाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में प्रदेश में 36 लाख 25 हजार 20 आवासों का निर्माण किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत म.प्र. में 72 हजार 965 किलोमीटर लंबी सड़कें बन चुकी हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 65 लाख 83 हजार 726 किसानों के क्रेडिट कार्ड तैयार हो गए हैं। अटल पेंशन योजना में 26 लाख 15 हजार (शत प्रतिशत) हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में म.प्र. देश में पहले नंबर पर है। यह एक सुखद पक्ष है कि मध्यप्रदेश सरकार की दूरगामी सोच के चलते कृषि क्षेत्र में उन्नति, औद्योगिक विकास, आईटी एवं पर्यटन में बढ़ते सेवा-क्षेत्रों से राज्य के आर्थिक विकास को मजबूती मिल रही है। वर्ष 2023-24 का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) 13,63,327 करोड़ है, जो पिछले वर्ष (2022-23) की तुलना में 9.37

# भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान



धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कार्दां, पडूला, गींगका, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एवं पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोड़ों में दर्द ठीक करने के लिए र्वाब व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुमिसियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है।

शुरूआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति

देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है। हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया। आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है। जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में

विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छू आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं। घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वच्छंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियां, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित वातावरण, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एवं तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है। जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता प्राया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। इसके विपरीत शहरों में रहने वाला समाज समय समय पर भारतीय परम्पराओं में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करता रहता है। हाल ही के समय में अत्यधिक आर्थिक महत्वकांक्षा के चलते वनों का अदूरदर्शितापूर्ण ढंग से शोषण किया जा रहा है। विश्व प्रजापति एवं विकास आयोग के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष 110 लाख हेक्टर भूमि के वन नष्ट किये जा रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक देश में उपलब्ध भूमि के लगभग 33 प्रतिशत भाग वनोपज ही माना आवश्यक है। यदि वनों का इस प्रकार कटाव होता रहेगा तो जनजाति समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है। भारत द्वारा इस संदर्भ में कई प्रयास किए जा रहे हैं। देश में वनों के कटाव को रोकने के लिए वर्ष 2015 एवं 2017 के बीच चले में पेड़ एवं जंगल के दायरे में 8 लाख हेक्टेयर भूमि की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, भारत ने वर्ष 2030 तक 2.10 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने के लक्ष्य को बढ़ाकर 2.60 करोड़ हेक्टेयर कर दिया है



## नम आंखों से दी गई मां मनोकामना को विदाई फूलों से सजाई गई नगर की सड़के भक्तों का लगा रहा दरबार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।  
अनूपपुर, बड़े ही उत्साह,उमंग और ढोल-धमाका के साथ 30 अक्टूबर 2024 को राम जानकी मंदिर के पास जय मां मनोकामना का आगमन हुआ था।काफी संख्या में भक्त जनों ने उनकी आगमनी की और उन्हें विराज मानकर तीन दिवस भक्तिमय वातावरण में उनकी पूजा एवं आराधना की।  
धर्म प्रेमी, सामाजिक, जागरूक नागरिक शुभम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जय मां मनोकामना का पांचवें वर्ष में प्रवेश हुआ है।मां मनोकामना का भव्य दरबार सजाया गया था निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 30 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को बाजे,गाजे के साथ मां का भव्य आगमन हुआ।दिनांक 31 अक्टूबर 2024 दिन गुरुवार को विशेष पूजन हवन एवं आरती रात्रि 12.00 से सुबह 5.00 बजे तक आयोजित की गई।दिनांक 01 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार प्रातः 11.00 बजे से कन्या भोजन एवं विशाल भंडारा,शाम 7 बजे ढोल



बाजों के साथ मां की संध्या कालीन भव्य महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण एवं भक्ति मयी संगीतों के साथ ममता भरा देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें अनूपपुर शहर के काफी संख्या में भक्त जनों ने भाग लिया।दिनांक-02 नवम्बर 2024 दिन शनिवार को नम आंखों से मां की विदाई की गई।इस अवसर पर नगर के विभिन्न मार्गों को फूल मालाओं से सजाया गया। जिस पर से मां मनोकामना को विदाई दी गयी। इस अवसर पर भारी संख्या में धर्म प्रेमी

नाचते,गाते हुए उत्साह एवं उमंग के साथ ही नम आंखों से मां मनोकामना को विदाई दी।नगर के भक्त जनों ने तीन दिवस मां मनोकामना का आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसमें काफी संख्या में पुरुष,महिलाएं,बच्चे सभी सपरिवार शामिल थे।

### अनुपपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

## आखिर कार सुलझ गया खंडेश्वरी बाबा के अंधी हत्या का राज, हत्यारे गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ  
अनुपपुर, दिनांक 09.08.2024 को थाना राजेन्द्रग्राम में सूचना प्राप्त हुई कि गद्दीदावर में अपने शिवदामा आश्रम में खंडेश्वरी बाबा उर्फ भोलागिरी उम्र 55 वर्ष का शव पड़ा है। उक्त सूचना को थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम के द्वारा को गंभीरता से लेते हुए तत्काल घटनास्थल पहुंच कर सूचना की तशदीक किया गया। जहां बाबा मृत अवस्था में अपने आश्रम में पड़े थे। थाना प्रभारी द्वारा तत्काल बाबा के शव को पोस्टमार्टम हेतु चिकित्सालय भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डाक्टर के द्वारा बताया गया कि बाबा की मृत्यु गला दबाने से हुई है। जिसके आधार पर थाना राजेन्द्रग्राम में अपराध क्र.213/24 हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ किया गया।  
पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए बाबा के हत्यारे की गिरफ्तारी हेतु अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी के नेतृत्व में



विषेय टीम गठित कर श्री शीर गिरफ्तारी के निर्देश दिये। जिस पर गठित विशेष टीम के द्वारा घटना का बरीकी से अध्ययन कर हर संभव पहलू पर गंभीरता से जांच की गयी, आस पास के लगभग 100-150 लोगों से पूछताछ एवं संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ किया गया तथा अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लेते हुए विवेचना प्रारंभ की गयी। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बोरेंद्र सिंह जो खंडेश्वरी बाबा का परिचित था प्रायः खंडेश्वरी बाबा से मिलने शिवदामा आश्रम आया करता था। दिनांक 07.08.24 को भी बाबा से मिलने बाबा के आश्रम आया था।

जहां पर बाबा और बोरेंद्र सिंह के बीच वाद-विवाद हो गया और बोरेंद्र सिंह अपना आपा खो बैठा और गुस्से में आकर खंडेश्वरी बाबा की गला घोटकर हत्या कर दी। जिसकी पुष्टि पीएम रिपोर्ट से भी होती है। चूंकि खंडेश्वरी बाबा का शिवदामा आश्रम एकांत में था, जिसका फायदा उठाकर आरोपी बोरेंद्र सिंह घटना स्थल से फरार हो गया। जिसे विशेष टीम के द्वारा आरोपी बोरेंद्र सिंह को जमशेदपुर झारखण्ड से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा अपना जुर्म स्वीकार कर लिया गया है। पुलिस के द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय

न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।  
उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन, अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी के मार्गदर्शन, एसडीओपी पुष्पराजगढ श्री नवीन तिवारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी. बोरेंद्र बरकडे, थाना प्रभारी बिजुरी निरी. विकास सिंह, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी. कलीराम परते, उनि. सुमित कौशिक, उनि. मंगला दुबे, सउनि. सुरेश अहिरवार, प्रआर. राजेन्द्र यादव एवं सायबर सेल के प्रआर. राजेन्द्र अहिरवार, पंकज मिश्रा व राजेन्द्र केवट का सराहनीया योगदान रहा।

### ग्राम पंचायत परासी के सचिव को जिपं. सीईओ ने किया निलंबित

अनूपपुर, जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परासी के सचिव श्री शिवकुमार पनिका को निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायत परासी में 02 नवम्बर को गोवर्धन पूजा कार्यक्रम की व्यवस्था अत्यन्त खराब होने से कार्यक्रम के सम्पादन में बहुत कठिनाई होने के कारण तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेश-निर्देश की अवहेलना कर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन न करते हुए

घोर लापरवाही बरतने पर मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999, भाग 2, नियम-4 के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में सचिव श्री शिवकुमार पनिका का मुख्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर नियत किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

### मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 3 नवम्बर को, कलेक्टर ने की उपस्थिति की अपील



अनूपपुर, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम रविवार 03 नवम्बर 2024 को शाम 4 बजे से एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कार्यक्रम में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को

उपस्थिति के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु जिन अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं उन्हें अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन को कहा है। कलेक्टर ने कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, पत्रकारों आदि से उपस्थिति की अपील की है।

## गौवर्धन पूजन में सम्मिलित हुए मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।  
दमोह, जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मध्यप्रदेश शासन जबेरा विधान सभा के नगर परिषद तेंदूखेड़ा के आचार्य विद्यासागर दयोंदय गौशाला में गौवर्धन पूजन करने के लिए पहुंचे जहां विधि विधान से पूजन किया एवं अन्नकूट कार्यक्रम के तहत गौ माता को पुष्प माला एवं मौसमी फल खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।



मंत्री लोधी ने कहा कि हम सभी गौ माता का पालन पोषण करें

ताकि सुख समृद्धि और श्री कृष्ण भगवान का आशीर्वाद

बना रहे। भगवान श्री कृष्ण ने बचपन से ही गौ माता चराने का काम किया और सेवा की गौ माता से प्राप्त दूध बहुत शक्तिशाली होता है और भगवान श्री कृष्ण ने दूध का सेवन कर पापी कंस,पूतना कागासुर का बंध कर कालिया नाग को बाल्यकाल के समय ही अपने बस में किया था। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार में आज संपूर्ण प्रदेश में गोवर्धन पूजन का आयोजन किया जा रहा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार में गौ

माता के पालन पोषण के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद महाराज, जगद्गुरु सुखानंद महाराज, सहित तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रविकरण साहू , कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, दमोह जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गोवर् पटेल जी, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव, एवं अन्य जनप्रतिनिधि जन व क्षेत्र वासियों की उपस्थिति रही।

### विलुप्त हो रही परम्परा को जीवित करने रैकवार माझी समाज ने चलाया नजर उतारने का अभियान

मछली के जाल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे डालने से घर में शुभता और समृद्धि आती है- मोटी रैकवार

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।  
दमोह। बुंदेलखंड के समूचे अंचल में रैकवार माझी समाज के द्वारा दीपावली के दूसरे दिन घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों के लिए मछली पकड़ने वाला जाल ओढ़ाया जाता है। यह परम्परा विलुप्त हो रही थी जिसे सहेजने के लिए दमोह में माझी समाज के संभागीय अध्यक्ष राकेश धुरिया, जिला अध्यक्ष राकेश रैकवार,ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोंटी रैकवार, समाज के वरिष्ठ लेखराम रैकवार,पवन रैकवार, नरेश रैकवार, लकी रैकवार के द्वारा विभिन्न परिवारों की आल बलाएं नज़र उतारकर दमोह के बेलाताल तालाब में विसर्जित की गई। इस दौरान रैकवार माझी समाज के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोंटी रैकवार ने बताया कि बरसों पुराने ये परम्परा आज भी जारी है। बुजुर्गों ने हमें बताया है कि गांव-गांव में

रैकवार माझी समाज के लोग मछली पकड़ने का जाल लेकर लोगों के घरों में जाते हैं। परिवार के लोगों को यह जाल ओढ़ाया जाता है और माना जाता है कि इसके बाद उस घर परिवार के लोगों के जीवन की समस्याएं इस जाल में फंसकर बाहर आ जाती हैं। शुभता और समृद्धि मछली के जाल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे डालने से घर में शुभता और समृद्धि आती है। नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए भी माना जाता है। इसे डालने से घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।स्वास्थ्य और सुख मछली के जाल को स्वास्थ्य और सुख का प्रतीक भी माना जाता है। इसे डालने से घर में स्वास्थ्य और सुख आता है। उन्होंने कहा कि यह परम्परा विलुप्त हो रही थी जिसे पुनः चालू करने के लिए दमोह में रैकवार माझी समाज ने यह परम्परा पुनः प्रारंभ की है। रैकवार माझी समाज के संभागीय अध्यक्ष राकेश धुरिया ने बताया कि समाज मुख्य तौर पर मछली पालन के काम से जुड़ा होता है।



जाल ही उनकी आय का जरिया होता है। जिस तरीके से पानी से मछली निकाली जाती है वैसे ही लोगों की समस्याओं को इस जाल से निकालने की मान्यता है। प्रार्थना की जाती है कि लोग के जीवन में सुख रहे। जाल को बुंदेलखंड में सौखी भी कहा जाता है। माझी समाज के जिला उपाध्यक्ष पवन रैकवार ने बताया कि परिवार की एकता मछली के जाल को परिवार की एकता का प्रतीक भी माना जाता है। इसे डालने से

परिवार में एकता और सामंजस्य बढ़ता है।यह प्रथा विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरीकों से मनाई जाती है, लेकिन इसका मूल महत्व शुभता, समृद्धि, और सुख की प्राप्ति है। कार्यक्रम का सफल संचालन लेखराम रैकवार,लकी रैकवार और आभार नरेश रैकवार ने व्यक्त करते हुए कहा है कि यह परम्परा प्रतिवर्ष चलाई जाएगी जिसमें माझी समाज के प्रत्येक युवाओं को जोड़ा जाएगा।

### बरगंवा अमलाई मुक्तिधाम: नरक चौदस पर श्मशान में दीपों की रोशनी और श्रद्धा का अनोखा संगम

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, मध्य प्रदेश के बरगंवा अमलाई नगर परिषद के सोन नदी किनारे स्थित मुक्तिधाम में नरक चौदस के दिन एक अनुठी परंपरा का आयोजन होता है। इस दिन श्मशान में दीपों की रोशनी, रंगोली और पटाखों की जगमगाहट से माहौल जीवंत हो उठता है। यह दृश्य न केवल दिवाली के उल्लास को दर्शाता है, बल्कि एक विशेष श्रद्धा भी व्यक्त करता है।साधारणतः श्मशान का नाम सुनकर मन में एक गंभीरता आ जाती है, लेकिन बरगंवा अमलाई के मुक्तिधाम में नरक चौदस की संध्या एक अलग अनुभव लेकर आती है। वर्ष 2015 में स्थानीय नागरिकों ने इस परंपरा की शुरुआत की थी। उनकी मान्यता है कि इस विशेष आयोजन से वे अपने पूर्वजों के



प्रति आदर और सम्मान व्यक्त करते हैं और दिवाली के मौके पर उन्हें भी इस उल्लास में शामिल मानते हैं।रूप चौदस की शाम को यहां का श्मशान स्थल दीपों से सजाया जाता है, जिससे वह एक अलौकिक दृश्य में बदल जाता है। इस दौरान सैकड़ों दीपक जलाए जाते हैं, और रंगोली बनाई जाती है। आतिशबाजी की जगमगाहट इसे एक उत्सवपूर्ण माहौल में बदल देती है।इस परंपरा के अनुसार, दीपक जलाना और आतिशबाजी करना यहां के

लोगों के लिए एक प्रकार से पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। अब यह आयोजन यहां की पहचान बन चुका है, और हर वर्ष लोग इस अवसर पर अपने पूर्वजों की स्मृति में यह अनोखी परंपरा निभाते हैं। इस तरह, बरगंवा अमलाई मुक्तिधाम में मनाया जाने वाला यह पर्व जीवन, मृत्यु और संस्कारों के बीच एक संतुलन का प्रतीक बन गया है, जहां श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

### 10 वर्षीय बालक को तत्काल ढूँढने में फुनगा पुलिस को मिली सफलता

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।  
अनूपपुर, दिनांक 01 नवंबर 2024 को बसंतलाल पनिका पिता रामलाल पनिका निवासी पयारी नं. 01 के द्वारा इसके 10 वर्षीय पुत्र के गुमने के संबंध में चाइल्ड हेल्पलाइन नं. 1098 पर कॉल करके इवेन्ट लिया मौके पर पुलिस चौकी फुनगा से पुलिस रवाना होकर पता की कि उक्त बालक घर के बाहर पटाखा फोड़ रहा था जिसके साथ और भी मोहल्ले के बच्चे पटाखा फोड़ रहे थे तभी से बालक कहीं चला गया है ढूँढने पर मिल नही रहा है इसके



पश्चात फुनगा चौकी पुलिस द्वारा आस पास गांव में पता तलाश किये तो पुलिस को 10 वर्षीय बालक गांव में ही ढूँढने में

सफलता मिली जिसे माता पिता के साथ भेज दिया गया है माता पिता द्वारा खुशी व्यक्त की गयी है।

## मेहगांव के बनखंडेश्वर मंदिर में भव्य तर्ज पर मनाई गई दीपावली

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ  
भिंड, माननीय कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने कार्यक्रम की शुरुआत की। आयोजक प्रदीप दंडोतिया जलारीपुरा और विकास चौधरी, लाल मिश्रा, रामकुमार चौधरी, बलू पाल, पार्षद अमन चौधरी, आकाश दंडोतिया, अजय थापक, बनी गुर्जर, राजा गुर्जर सहित मेहगांव के नगरवासियों ने भाग लिया। 2100 घी के दीपक जलाए गए, जिससे पूरा इलाका प्रकाश और उल्लास से भर गया। इस अवसर पर मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा, दीपावली का त्योहार हमें अच्छाई की जीत और बुराई के पतन की याद दिलाता है। आयोजक प्रदीप दंडोतिया ने कहा,हमें इस आयोजन के लिए माननीय मंत्री जी का समर्थन मिला, जिससे हमें बहुत प्रेरणा मिली। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों



ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और

दीपावली की शुभकामनाएं दी।











## ट्रेन ने बदल दी मरने जा रही नर्स की जिंदगी, सच्चाई जानकर लोग कह रहे- वाह

इंटरनेशनल डेस्क: अक्सर लोग डिप्रेशन और अन्य समस्याओं का सामना करते हैं, और ऐसे में अगर कोई उम्मीद की किरण बनकर उनके जीवन में आए, तो उन्हें जीने का एक नया मकसद मिल जाता है। ऐसा ही एक अद्भुत वाक्या इंग्लैंड की एक महिला के साथ हुआ, जिसने अपनी जिंदगी खत्म करने का मन बना लिया था, लेकिन एक ट्रेन ने उसकी जिंदगी ही बदल कर रख दी। यह कहानी है 33 वर्षीय शार्लेट ले की, जो वेस्ट यॉर्क़्स के ब्रैडफोर्ड में रहती थीं। वह दो बच्चों की मां और एक नर्स थीं, लेकिन जीवन में लगातार चल रही डिप्रेशन और एंजाइटी ने उन्हें गहरे संकट में डाल दिया। 2019 में एक दिन, उन्होंने अपने जीवन को समाप्त करने का कठोर निर्णय लिया। इसके लिए वह रेलवे की पटरी पर पहुंच गईं, जहां उन्होंने ट्रेन आने का इंतजार करना शुरू कर दिया। उनका इरादा था कि वह ट्रेन के नीचे आकर जान दे दें। लेकिन जब ट्रेन आई, तो उसके ड्राइवर ने दूर से ही शार्लेट को देख लिया। ड्राइवर ने जल्दबाजी में समझदारी दिखाते हुए ट्रेन को रोक दिया और बाहर आकर शार्लेट के पास गए। उन्होंने शार्लेट से लगभग आधे घंटे बातचीत की, जिसमें उन्होंने उसे जीने के महत्व के बारे में बताया और उसकी मुश्किलों को समझने की कोशिश की।



उनकी बातें शार्लेट के दिल में एक नई आशा जगाने में सफल रही। इसके बाद, ड्राइवर ने शार्लेट को नजदीक के स्टेशन पर भेजा, जहां स्टेशन मास्टर और पुलिस ने उन्हें मेंटल हेल्थ सर्विस के लिए रेफर किया। इस मुलाकात के बाद, शार्लेट को उस व्यक्ति की याद रह गई जिसने उनकी जान बचाई थी। अगले ही दिन, उन्होंने डेव ले नामक ड्राइवर को फेसबुक पर खोज निकाला। कुछ प्रयासों के बाद, वे संपर्क में आए और शार्लेट ने उन्हें धन्यवाद दिया। डेव ने भी कहा कि वह हमेशा शार्लेट के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद दोनों ने दो महीनों तक चैटिंग की और फिर कॉफी पर मिलने का निर्णय लिया। शार्लेट और डेव की मुलाकात धीरे-धीरे एक गहरे प्यार में बदल गई। तीन साल बाद, दोनों ने शादी कर ली। इस समय तक,

शार्लेट 22 हफ्ते की प्रेग्नेंट थीं। वर्तमान में, वह तीन बच्चों की मां हैं और डेव के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। शार्लेट ने अब समझ लिया है कि जीवन कितना खूबसूरत है और इसे यूँ खत्म नहीं किया जाना चाहिए। शार्लेट ने बताया कि पहले उन्हें डिप्रेसिव डिसऑर्डर, एंजाइटी, पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, और इमोशनल अनस्टेबल पर्सनालिटी डिसऑर्डर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। वह उस समय अपनी स्थिति से इतनी निराश थीं कि मरने तक का सोच लिया था। लेकिन डेव के द्वारा की गई सलाहना और समर्थन ने उनके जीवन को बदल दिया। शार्लेट डेव की आभारी हैं कि उन्होंने उनकी ट्रेन रोकी और उन्हें सुना, अन्यथा शायद उनकी कहानी इस तरह से आगे बढ़ती ही नहीं।

## चीन ने 9 से अधिक देशों को दी बड़ी सौगात, वीजा-मुक्त मिलेगी एंट्री

**बीजिंग** चीन ने वीजा-मुक्त प्रवेश की नीति के तहत नौ से अधिक देशों के नागरिकों को एक महत्वपूर्ण मौके का लाभ उठाने की अनुमति दी है। इस नई नीति के तहत, दक्षिण कोरिया, नाँर्वे, फिनलैंड, स्लोवाकिया, डेनमार्क, आइसलैंड, अंडोरा, मोनाको और लिक्टेंस्टीन के नागरिक अब चीन में वीजा के बिना प्रवेश कर सकेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि यह नई सुविधा 8 नवंबर 2023 से लागू होगी। इन देशों के नागरिक व्यापार, पर्यटन, पारिवारिक यात्राओं या ट्रांजिट के लिए चीन में बिना किसी वीजा के 15 दिनों तक रह सकेंगे। इस वीजा-मुक्त योजना का लाभ उठाने के लिए नागरिकों को अपनी यात्रा के मकसद से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। यह छूट 31 दिसंबर 2025 तक



मान्य रहेगी, जिससे इन देशों के नागरिकों को निर्धारित समय तक चीन में प्रवेश करने की सुविधा मिलेगी। ऐसी सकारात्मक कदमों का उद्देश्य चीन की अंतरराष्ट्रीय यात्रा को प्रोत्साहित करना और देश में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है। इस पहल के साथ, चीन ने उस

रुख को स्पष्ट किया है जिसमें वह वैश्विक पर्यटन के लिए अधिक खुला और अनुकूल बनना चाहता है। यह कदम न सिर्फ चीन के लिए बल्कि उन देशों के नागरिकों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा, जो अब बिना वीजा के चीन की यात्रा कर सकेंगे।

## भारत ने अमित शाह के खिलाफ बेतुके आरोपों पर जताई कड़ी नाराजगी, कनाडाई उच्चायोग को भेजे सम्मन

रत ने कनाडा के मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कड़ी नाराजगी जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को सम्मन भेजे व इन आरोपों का विरोध किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मामले को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह आरोप बेतुके और निराधार हैं। जायसवाल ने कहा, हमने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया है। हम कनाडा सरकार के मंत्री द्वारा उठाए गए बेतुके आरोपों का सबसे कड़े शब्दों में विरोध करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कनाडाई अधिकारियों द्वारा जानबूझकर भारत को बदनाम करने की रणनीति के तहत अंतरराष्ट्रीय मीडिया में निराधार आरोप लीक किए गए हैं, जो द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम डाल सकते हैं। राजनयिक गतिविधियों के संदर्भ



में, जायसवाल ने यह भी कहा कि कुछ भारतीय वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को सूचित किया गया है कि उनकी बातचीत पर ऑडियो और वीडियो के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। इस तरह के कदमों को उन्होंने प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्यिक दूतावास सम्मेलनों का उल्लंघन बताया और कहा कि ये कार्य कनाडा सरकार द्वारा उत्पीड़न और धमकी के तहत किए जा रहे हैं। इस बीच, भारतीय कंपनियों पर

अमेरिकी प्रतिबंधों का मुद्दा भी उठाया गया। जायसवाल ने कहा कि भारत के पास एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा है और वह सभी प्रासंगिक भारतीय विभागों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि कंपनियों को निर्यात नियंत्रण प्रावधानों के बारे में जागरूक किया जा सके। भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण स्थिति स्पष्ट होती जा रही है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

## चुनाव से पहले और चुनाव के बाद बड़ी संख्या में अमीर अमेरिकन देश छोड़ने को तैयार अमेरिकन्स को सता रहा यह डर

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद बड़ी संख्या में अमीर अमेरिकन अपना देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि 5 नवंबर को अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमीर अमेरिकन की देश छोड़ने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल, यूएस के लोगों का मानना है कि चुनाव में जीत चाहे किसी की भी हो। देश में राजनीतिक और सामाजित अशांति का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेशों में लंबे समय तक रहने के वाले लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। चुनाव के बाद विदेश जाने की बात आम है। इस संख्या में पिछले सालों के मुकाबले 30 प्रतिशत का उछल गया है। बताया जा रहा है कि कोविड-19 के बाद अमेरिका के अमीर लोगों में दूसरे देशों में रहने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। चाहे वह किसी गर्म या फिर सस्ते देश में बसना होना हो या विदेश में परिवार के करीब रहना हो, अमीरों के पास विदेश जाने के लिए बहुत सारे गैर-राजनीतिक कारण हैं। अमीर लोग भी एक देश की नागरिकता को एक केंद्रित व्यक्तिगत और वित्तीय जोखिम के रूप में देखते हैं। जिस तरह वे अपने निवेश में विविधता लाते हैं, उसी तरह वे अब अपने देश के जोखिम को कम करने के लिए पासपोर्ट पोर्टफोलियो बना रहे हैं। अन्य लोग गैर-अमेरिकी पासपोर्ट चाहते हैं, ताकि अगर वे खतरनाक देशों या अमेरिका के प्रति शत्रुतापूर्ण क्षेत्रों की यात्रा कर रहे हों तो वे ऐसा कर सकें। फिर भी चुनाव और राजनीतिक माहौल ने अमीर अमेरिकियों द्वारा विदेश में प्लान बी पर विचार करने के लिए जोर दिया है। यह राजनीति और हिंसा का डर है, अगले सप्ताह



के चुनाव ने उन आशंकाओं को और बढ़ा दिया है। कुछ लोग डोनाल्ड ट्रम्प के हारने पर हिंसा के बारे में चिंतित हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की 100 मिलियन से अधिक मूल्य के अवास्तविक पूंजीगत लाभ पर कर लगाने की योजना के बारे में चिंतित हैं। जबकि कर विश्लेषकों का कहना है कि अवास्तविक लाभ योजना के कांग्रेस में पारित होने की बहुत कम संभावना है, यहां तक कि डेमोक्रेटिक बहुमत के साथ भी एक जोखिम है। अमीर लोगों का मानना है कि सामूहिक स्कूल गोलीबारी, राजनीतिक हिंसा की संभावना, यहूदी-विरोधी भावना, एक केंद्रित व्यक्तिगत और वित्तीय जोखिम के रूप में देखते हैं। जिस तरह वे अपने निवेश में विविधता लाते हैं, उसी तरह वे अब अपने देश के जोखिम को कम करने के लिए पासपोर्ट पोर्टफोलियो बना रहे हैं। अन्य लोग गैर-अमेरिकी पासपोर्ट चाहते हैं, ताकि अगर वे खतरनाक देशों या अमेरिका के प्रति शत्रुतापूर्ण क्षेत्रों की यात्रा कर रहे हों तो वे ऐसा कर सकें। फिर भी चुनाव और राजनीतिक माहौल ने अमीर अमेरिकियों द्वारा विदेश में प्लान बी पर विचार करने के लिए जोर दिया है। यह राजनीति और हिंसा का डर है, अगले सप्ताह

संकोच नहीं करते। हालांकि, नियम और लागतें तेजी से बदल रही हैं। जबकि सामूहिक आब्रजन दुनिया भर में एक गर्म-बटन राजनीतिक मुद्दा बन गया है। यूरोप में कुछ राजनेताओं ने गोल्डन वीजा के खिलाफ आवाज़ उठानी शुरू कर दी है जो केवल निवेश के आधार पर अमीर लोगों को नागरिकता या निवास प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, पुर्तगाल को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा जब विदेशियों की बाढ़ सी आ गई और उन्होंने गोल्डन वीजा कार्यक्रम के तहत समुद्र तट पर संपत्तियां खरीद लीं। संपत्ति की कीमतों में 15% की वृद्धि के बाद सरकार ने नियमों में बदलाव किया। न्यूनतम निवेश सीमा बढ़ा दी और आवासीय संपत्ति को निवेश श्रेणी से हटा दिया। इटली ने इस गर्मी में इटली में अपना कर निवास स्थानांतरित करने वाले धनी विदेशियों की विदेशी आय पर अपने फ्लैट टैक्स को दोगुना कर 200,000 यूरो (217,000) कर दिया। यह बदलाव कार्यक्रम के लिए आने वाले धनी नए प्रवासियों की लहर के बाद हुआ और मिलान की संपत्ति की कीमतों में उछाल आया। फिलहाल, माल्टा अमेरिकी अमीरों

के लिए दूसरा पासपोर्ट बना हुआ है। इमिग्रेशन वकीलों के अनुसार, माल्टा का निवेश नागरिकता कार्यक्रम लगभग 1 मिलियन डॉलर से 1.2 मिलियन डॉलर तक मंहंगा है, लेकिन यह माल्टा और विस्तार से यूरोपीय संघ में नागरिकता और अप्रतिबंधित यात्रा और निवास प्रदान करता है। यूरोपीय संघ माल्टा कार्यक्रम को अदालत में चुनौती दे रहा है, लेकिन अधिकांश इमिग्रेशन वकीलों को उम्मीद है कि देश जीतेगा। कैरिबियन उन अमेरिकियों के लिए तेजी से लोकप्रिय हो रहा है जो बस दूसरा पासपोर्ट चाहते हैं। एंटीगुआ और बारबुडा में 300,000 डॉलर से अधिक की कीमत पर एक स्वीकृत अचल संपत्ति खरीदना आपको नागरिकता के रास्ते पर ले जाता है, जो हांगकांग, रूस, सिंगापुर, यू.के. और यूरोप सहित अन्य देशों की यात्रा करने की स्वतंत्रता देता है। वकीलों का कहना है कि सेंट लूसिया भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। आयरलैंड, इटली और दर्जनों अन्य देशों में वंश वाले अमेरिकी तथाकथित वंश नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं, जो आम तौर पर निवेश वीजा से कहीं अधिक सस्ता है। पुर्तगाल जैसे कुछ देश सेवानिवृत्ति वीजा भी प्रदान करते हैं, जो प्रवेश और नागरिकता का मार्ग प्रदान करते हैं। तुरंत नागरिकता या निवास मिलने की उम्मीद न करें। वकीलों और देशों में इतने सारे आवेदनों की बाढ़ आ गई है, और इतने सारे अलग-अलग बैंकग्राउंड चेक और अनुमोदन की आवश्यकता है। इस प्रक्रिया में महीनों या एक साल या उससे भी अधिक समय लग सकता है और चुनाव परिणामों के आधार पर प्रतीक्षा सूची लंबी हो सकती है।

## कनाडा सरकार की रिपोर्ट में पहली बार भारत को बताया गया विरोधी

कनाडा के सरकारी दस्तावेज़ में पहली बार भारत को विरोधी के रूप में वर्णित किया गया है। यह विवरण कनाडाई साइबर सुरक्षा केंद्र द्वारा जारी की गई नेशनल साइबर थ्रेट असेसमेंट 2025-2026 में आया है। रिपोर्ट के अनुसार, राय विरोधियों से होने वाले साइबर खतरे के संदर्भ में चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया और भारत का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, हम आकलन करते हैं कि भारतीय राय-प्रायोजित साइबर खतरा करने वाले संभवतः कनाडा के सरकार के नेटवर्क के खिलाफ जासूसी के उद्देश्य से साइबर खतरा गतिविधियां करते हैं। इसमें यह भी जोड़ा गया है, हम मानते हैं कि कनाडा और भारत के बीच आधिकारिक द्विपक्षीय संबंध संभवतः भारतीय राय-प्रायोजित साइबर खतरा गतिविधियों को कनाडा के खिलाफ प्रेरित करेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की नेतृत्व लगभग निश्चित रूप से एक आधुनिक साइबर कार्यक्रम के निर्माण की इछा रखता है और संभवतः अपने राष्ट्रीय सुरक्षा imperatives को आगे बढ़ाने के लिए अपने साइबर कार्यक्रम को उपयोग करता है। कनाडा सरकार का यह बयान इस पृष्ठभूमि में आया



है जब मध्य अक्टूबर में भारत ने छह कूटनीतियों और अधिकारियों को वापस बुला लिया था, जिन्हें कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा हिंसक आपराधिक गतिविधियों की जांच में रुचि के व्यक्तियों के रूप में घोषित किया गया था। भारत ने भी छह कनाडाई कूटनीतियों को निष्कासित कर दिया था। 16 अक्टूबर को, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने ओटावा में विदेशी हस्तक्षेप आयोग के समक्ष बयान देते हुए कहा कि

भारत ने कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। ट्रूडो ने उस समय कहा, हमारे पास अब स्पष्ट संकेत हैं कि भारत ने कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। कनाडाई अधिकारियों ने अभी तक भारत के खिलाफ अपने आरोपों का कोई सबूत जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि ये विवरण उन परीक्षणों के दौरान सामने आएंगे जो हत्या, जबरन वसूली और अन्य हिंसक गतिविधियों से संबंधित मामलों में होंगे। पिछले साल 18

सितंबर को, ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा था कि भारतीय एजेंटों और ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निजर की हत्या के बीच विश्वसनीय आरोप थे। 16 अक्टूबर की गवाही के दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने ये आरोप उस समय लगाए जब उनके पास मुख्य रूप से खुफिया जानकारी, ठोस प्रमाण नहीं था। भारत ने इन आरोपों को नासमझ और प्रेरित करार दिया है।

## पाकिस्तान में ब्रिटेन-अमेरिका और कनाडा के सिख तीर्थयात्रियों को मुफ्त ऑनलाइन वीजा मिलेगा

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा से आने वाले सिख श्रद्धालुओं को 30 मिनट के भीतर मुफ्त ऑनलाइन वीजा दिया जाएगा। नकवी ने यह टिप्पणी बुहस्पतिवार को लाहौर में सिख तीर्थयात्रियों के 44 सदस्यीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद आई है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मंत्री ने सिख

तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान की यात्रा के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नकवी ने कहा कि सरकार ने सिखों के लिए वीजा प्रक्रिया को ऑनलाइन करके आसान बना दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के पासपोर्ट धारक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

और बिना किसी शुल्क के 30 मिनट के भीतर अपना वीजा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुविधा इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के सिखों को भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय को और अधिक सुविधाएं प्रदान करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने घोषणा की कि पाकिस्तान में कई सिख विरासत स्थलों को दर्शन के लिए खोला जाएगा और इसके

लिए किसी परमिट की आवश्यकता नहीं होगी। नकवी ने युवा पीढ़ी को आकर्षित करने पर विशेष जोर देते हुए पाकिस्तान आने वाले सिख तीर्थयात्रियों की संख्या सालाना एक लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने की इच्छा व्यक्त की। नकवी ने यह भी उल्लेख किया कि पाकिस्तान सरकार ने 124 देशों के नागरिकों के लिए मुफ्त वीजा की सुविधा शुरू की है।

